एकीकृत जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम

IWMP-13 सीतापुर 02
जिला – सरगुजा छत्तीसगढ़

सफलता की कहानी

IWMP-13, सीतापुर 02
मिली वाटरशेड कोड – 4G2C8F

–: क्षेत्रीय रूपरेखा/क्षेत्रीय दशा का विश्लेषण :–

भगौलिक स्थिति :–

परियोजना कार्यालय IWMP-13सीतापुर 02 मांड नदी जलग्रहण परियोजना छत्तीसगढ राज्य के सरगुजा जिला के सीतापुर विकास खण्ड के अक्षांश – 22o40' एवं देशांश – 83o25' में स्थित है। परियोजना अम्बिकापुर जिला मुख्यालय से 54 किमी. की दूरी पर स्थित है। यहां की अधिकांश भूमि समतल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बंजर व कम उपजाउ वाली भूमि है, जो उपरी क्षेत्र से ढलान होने के कारण मृदा का कटाव हो रहा है। अतः मृदा कटाव को रोकने की आश्यकता है। यहां की जनसंख्या आदिवासी बाहुलता है, जो आर्थिक स्थिति से पिछड़े हुए है। यहां के आदिवासी का मुख्य व्यवसाय कृषि कर जीवन यापन चलाते है। जिसमें इनको उपज बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पाता है, जिनके कारण जीवन में व्यवस्थापन हेतु संसाधनों की भारी मात्रा में कमी दिखाई पड़ती है ,यहां के लागों में कृषि एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु जागरूकता की कमी है यहां की महिलाओं में संगठन की कमी है जिससे वे विकास कायो की ओर अग्रसर नहीं हो पा रहीं है।

मिली वाटर शेड की भौतिक स्थिति :–

परियोजना कार्यालय IWMP-13 सीतापुर 02 मांड नदी सीतापुर विकास खण्ड से 05 किमी. की दूरी पर स्थित है। जिसमें कई छोटे नालों से होकर पानी बहता हुआ मांड नदीं पर आता है एवं मिली मिलीवाटर शेड के 09 ग्रामों तक जल का संचयन होता है। पानी के छोटे नालों से बह के आने के कारण यहां मृदा कटाव होता है जिसके कारण मृदा की उपरी उपजाउ भूमि का कटाव होता जिससे भूमि कम उपजाउ व बंजर भूमि का रूप धारण करता जा रहा है। यहों मांड नदी होने के कारण यहां फसलों की पैदावार बढ़ाई जा सकती है।यहां की मिट्टी में धान, मक्का, अरहर, उड़द, जटगी, जैसे फसल

वातावरण की अनुकुलताओं के अनुसार लगाई जाती है। इसके अतिरिक्त लोग पशुधन, मजदूरी, वनोपज संकलन, परंम्परागत बकरी पालन व मुर्गी पालन आदि भी करते है।

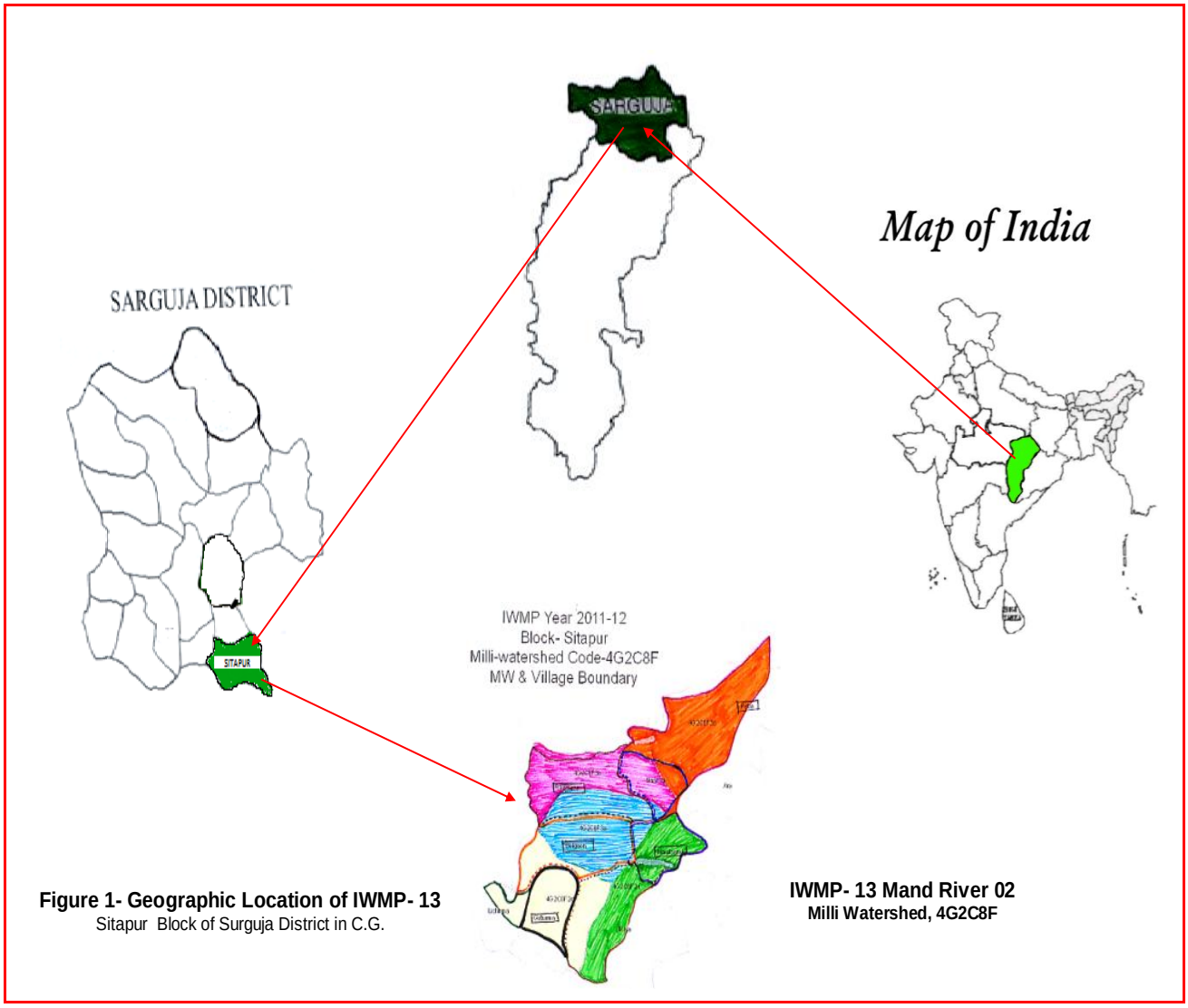

Figure 1- Geographic Location of IWMP- 13
Sitapur Block of Surguja District in C.G.

IWMP- 13 Mand River 02
Milli Watershed, 4G2C8F

–:कार्यक्रम का क्रियाकलाप :–

IWMP-13सीतापुर 02 द्वारा कराये गये निर्माण कार्य :–

इस मिलि वाटर में एकीकृत जल ग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम के तहत् आस्थामुलक कार्य के अन्तर्गत नहानी घर एंव सोखता निर्माण कार्य एवं चबुतरा निर्माण कार्य कराया गया । जिससे माइक्रोवाटर शेड के ग्रामवासियों को सुविधा उपलब्ध कराया गया।

निर्माण कार्यों से लाभ :–

एकीकृत जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम के अन्तर्गत मिली वाटर शेड IWMP-13 सीतापुर 02 में चबुतरा निर्माण कार्य कराया गया जिससे ग्राम वासियों की बैठक संकट की समस्या का निराकरण हुआ, जिससे ग्रामवासियों के बैठक व्यवस्था हेतु सुविधा दी गई। जिससे उनमें अपने एवं गांव की विकास की भावना उन्पन्न हुई। नहानी घर एवं सोखता का निर्माण कार्य किया गया जिससे स्थानीय लोगो का दैनिक के कार्यो में हो रहे समस्या का समाधान हुआ, नहानी घर निर्माण से माइक्रोवाटर शेड के महिलाओं स्नान हेतु सुविधा उपलब्ध कराई गई। सोकता गढ्ढा द्वारा पानी के इक्कठा होने स`जल स्तर स्तर बनाये रखने में उपयोगी है। सोकता गढ्ढा के द्वारा जल के काफी मात्रा में बचत हुई है, और मोहल्ले वासियों के द्वारा जल बचाने की बुद्धिमता का विकास हुआ।

एजेन्सी :– आस्थामूलक कार्य एवं विकास कार्य जलग्रहण समिति के अध्यक्ष/सचिव निर्माण कार्य सम्पादित कराया गया।

क्षमता विकास एवं आजीविका :–

क्र.	प्रशिक्षण का विषय	कुल प्रतिभागी की संख्या	प्रशिक्षण का स्थान	प्रशिक्षक का नाम	प्रशिक्षण की अवधि	प्रशिक्षण के परिणाम
1	2	3	4	5	6	7
1	स्वयं सहायता समूह का प्रशिक्षण	72	जनपद पंचायत सभाकक्ष सीतापुर	श्री राजेश्वर रेड्डी एवं श्रीमति मेहरनिगा	26/12/2012	प्रशिक्षण के माध्यम से स्वयं माइक्रोवाटर शेड मे स्वयं सहायता समूहकी जानकारी दी गई जिससे गांव की महिलाओं एवं पुरुषों को रिवालिविंग फन्ड के द्वारा गांव के समूहों के माध्यम से विकास हो सके।
2	लेखा संधारण	36	जनपद पंचायत सभाकक्ष सीतापुर	WCDC (A.P.O &) Accountent	07/01/2013	प्रशिक्षण के माध्यम से लेखा संधारण की जानकारी दी गई।
3	प्रत्यासमरण प्रशिक्षण	109	जनपद पंचायत सभाकक्ष सीतापुर	श्रीमती मेहरनिगा एवं श्री रितेश जायसवाल (परियोजना अधिकारी)	18/02/2013 एवं 19/02/2013 (2 दिवसीय)	प्रशिक्षण के माध्यम से माइक्रोवाटर शेड के व्यक्यिों को जलग्रहण के द्वारा होने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया।
4	सब्जी उत्पादन प्रशिक्षण	576	माइक्रोवाटर शेड	श्री शैलेन्द्र बी.सी (कृषि विभाग)श्री पी. साय(उद्यान– विभाग)	23/04/2013 से 27/04/2013 तक प्रत्येक माइक्रोवाटर शेड में एक –एक दिवसीय प्रशिक्षण	निः शुल्क सब्जी बीज वितरण के माध्यम से माइक्रोवाटर शेड के हितग्राहियों को सब्जी लगाने के तरीकें एवं उन्नत सब्जी के पैदावार की जानकारी दी गई।

क्षमता विकास हेतु परियोजना स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया प्रशिक्षण के माध्यम से माइक्रोवाटर शेड के व्यक्यिों को जलग्रहण के द्वारा होने वाले कार्यों एवं आजीविका के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। इस प्रशिक्षण में जल ग्रहण विकास दल के सदस्य, उपयोगकर्ता दल, स्व सहायता समुह के सदस्यों का प्रशिक्षण कराया गया इसके अतिरिक्त सब्जी उत्पादन पर प्रशिक्षण एवं निः शुल्क सब्जी बीज वितरण का आयोजन किया गया ।

माइक्रोवाटर शेड में आजीविका हेतु महिलाओं के हितों में 63 महिला स्वयं सहायता समूह बनाये गये हैं। आजिविका के क्षेत्र में 06 स्व सहायता समुह को चक्रिय निधि हेतु प्रत्येक समूह को बकरी पालन हेतु 10000/– प्रदाय किया गया है, जिससे वह आजिविका के क्षेत्र में कार्य कर सके और जीवन यापन में सुधार कर सके उवं अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकें।

IWMP- 13 सीतापुर- 2, जिला - सरगुजा (छ.ग.)
आपका हार्दिक अभिनन्दन है

एकीकृत जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम
IWMP- 13 सीतापुर- 2, जिला - सरगुजा (छ.ग.)
कार्यक्रम का नाम
स्थान
दिनांक

आजीविका

–:चक्रीय निधि प्रदान किये गये स्वयं सहायता समूह के नाम :–

समूहों को प्रदान की गई चक्रीय राशि				
क्र	**माइक्रोवाटर शेड का नाम**	**समूह का नाम**	**समूहो को प्रदान की गई राशि**	**समूहो के द्वारा किये जाने वाले कार्य**
1.	गुतुरमा	दुर्गा स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
2.	गुतुरमा	सरस्वती स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
3.	हरदीसांड	हरयाली स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
4.	राधापुर	गंगा स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
5.	बेलगांव	सुरज स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
6.	पेटला	अमर स्वयं सहायता समूह	10000	बकरी पालन
7	हरदीसांड	हरयाली स्वयं सहायता समूह	25000	कृषि कार्य
		योग :–	**85000**	

उपरोक्तानुसार किये गये क्रियाकलाप निचे लिखे अनुसार ऐजेन्सी द्वारा किये सम्पादित किये गये ।

- आस्थामुलक कार्य एवं विकास कार्य जल ग्रहण समिति के अध्यक्ष/सचिव निर्माण एजेन्सी द्वारा सम्पादित किया गया ।
- आजिविका गतिविधि में सम्पादित क्रियाकलाप जल ग्रहण द्वारा गठित स्व सहायता समुह द्वारा क्रियान्वयन किया गया ।
- क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण कार्य WDTs, पशुधन विभाग सीतापुर एवं उघान विभाग द्वारा पूर्ण कराया गया।
- रिवाल्बिंग फण्ड पदाय करने से स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के द्वारा बकरी पालन किया गया जिससे उनके अतिरिक्त आय में वृद्धि हुई।
- रिवाल्बिंग फण्ड पदाय करने से स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के द्वारा कृषि कार्य किया गया जिससे उनके अतिरिक्त आय में वृद्धि हुई।

आजीविका के द्वारा रिवाल्विंग फण्ड से किए जा रहे बकरी पालन के फोटोगॉफ्स

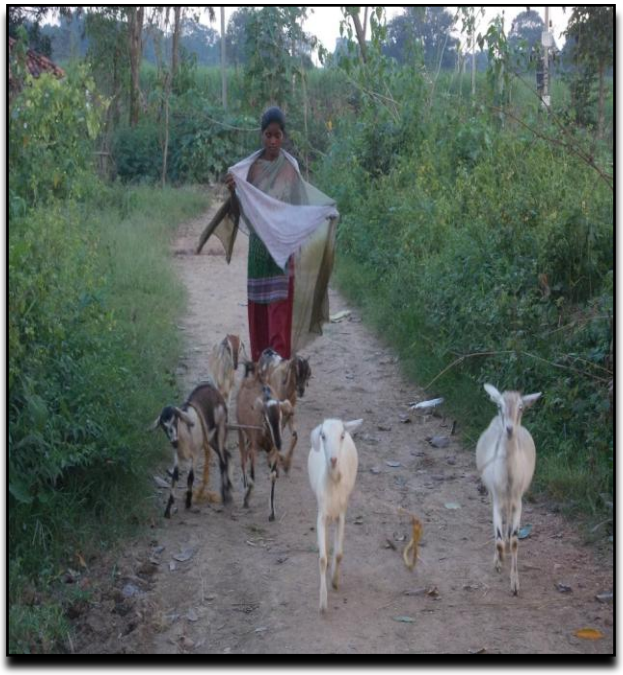

किसानो द्वारा फसल उत्पादन दौरान ली गई फोटोग्राफ

किसान/पिता का नाम :– नोवसा/जोगीया
ग्राम का नाम :– उलकिया
उत्पादित सब्जी का नाम :– प्याज व गोभी
सब्जी उत्पादन का रकबा:– 0.5 हेक्टेयर
माइक्रो वाटरशेड का नाम:– बेलगांव

किसान/पिता का नाम:– रामप्रसाद/कुवरसाय
ग्राम का नाम :– उलकिया
उत्पादित सब्जी का नाम :– मिर्ची
सब्जी उत्पादन का रकबा:– 0.7 हेक्टेयर
माइक्रो वाटरशेड का नाम:– बेलगांव

समय – अवधि

IWMP-13सीतापुर 02 के तहत कराये गये निर्माण कार्य में सोकता गढ्ढा निर्माण कार्य में भूमिगत जलस्तर पिछले एक वर्षों में सुधार आया है। आजीविका हेतु समूहों को गतिविधि जसे :– बकरी पालन, सब्जी उत्पादन, मध्यान भोजन में पोषण आहार आदि से पिछले 1 वर्षो से उनके जीवन यापन में सुधार आया है।

सुपोषित ,शिक्षित समृद्ध सरगुजा के अंतर्गत IWMP-13 द्वारा बनाये जा रहे स्वयं सहायता समूहों के फोटोगॉफ्स :–

स्वच्छ भारत अभियान के तहत लिए गये स्वयं सहायता समूह, वाटरशेड कमेटी की फोटोगॉफ्स :–

I.W.M.P -13 सीतापुर 02 मनरेगा द्वारा अभिसरण के फोटोगॉफ्स

किये गये जलग्रहण कार्य के फोटोग्रॉफ्स
(बोल्डर चेकडेम)

स्थल का नाम :– बुधु घुटरा रामदास के खेत के पास

माइक्रो वाटरशेड :– बेलगांव

लगत :– 0.28 लाख

अक्षांश :– N- 22^{0}67'99"

देशान्तर :– E- 83^{0}51'56"

किये गये जलग्रहण कार्य के फोटोग्रॉफ्स
(तटबंध निर्माण कार्य)

स्थल का नाम :– शिवशंकर के खेत के पास

माइको वाटरशेड :– गुतुरमा

लगत :– 4.50 लाख

अक्षांश :– N- 22^{0}68'62"

देशान्तर :– E- 83^{0}45'95"

किये गये जलग्रहण कार्य के फोटोग्रॉफ्स
(डबरी निर्माण कार्य)

किये गये जलग्रहण कार्य के फोटोग्रॉफ्स
(डबरी निर्माण कार्य)

किये गये जलग्रहण कार्य के फोटोग्रॉफ्स
(डबरी निर्माण कार्य)

परिणाम :–

परियोजना द्वारा किये गये आस्थामूलक कार्यो से लोगों के नहानी घर निर्माण से लोगों को दूर नहाने नहीं जाना पड़ता है एवं महिलाओं को नहानी घर का लाभ प्राप्त हो रहा है एवं सोकता गढढा से जल स्तर को बढाया जा रहा है। चबुतरा निर्माण कार्य कराया गया जिससे ग्राम वासियों की बैठक संकट की समस्या का निराकरण हुआ, जिससे ग्रामवासियों के बैठक व्यवस्था हेतु सुविधा दी गई। जिससे उनमें अपने एवं गांव की विकास की भावना उन्पन्न हुई। आजीविका के स्त्रोत मिलने से स्थानीय स्तर पर पलायन को रोका जा रहा है। क्षमता विकास हेतु अतिरिक्त प्रयास अन्य विभाग – कृषि विभाग ,उद्यान विभाग एवं मनरेगा के तहत् अभिसरण से ग्रामवासियों को लाभान्वित कराया जा रहा है।

लाभ :–

1. जलग्रहण आस्थामूलक कार्य से 5 माइक्रोवाटर शेड के लोगों को लाभ हो रहा है।
2. परियोजना में कराये गये प्रशिक्षण से उपयोगकर्ता दल ,स्वयं सहायता समूह ,व जलग्रहण समिति एवं आजीविका गतिविधि से स्वयं सहायता समूह के सदस्य लाभान्वित हुए।
3. लाभान्वितों के द्वारा संगठन होकर विकास कार्यों की योजना तैयार कर कार्य करने की क्षमता का विकास हुआ, एवं हितग्राहियों को रोजगार के साधन प्राप्त हुए।
4. उनके आर्थिक स्थिति में अपने स्वयं परिवार के कार्य के साथ–साथ समूह में मिलकर अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिये समूह के साथ नये गतिविधि को अपनाया। जिससे विकास कार्य एवं रोजगार प्राप्त हो सके।
5. तटबंध निर्माण कार्य से मिट्टी कटाव होने से रोका गया जिससे किसानो के खेत में कटाव होने से रोका गया है।
6. स्टापडेम/डबरी निर्माण से किसानों को सिंचाई करने में सुविधा उपलब्ध होगी जिससे अच्छी फसल होने से किसान के आय में वृद्धि होगी तथा भू–जल स्तर में वृद्धि होगी।

Prasented By
PIA
IWMP-13 Sitapur 02